कहीं केवल काले रंग में चित्र बने हैं। वेशभूषा भारतीय है। पाश्चात्य शैली में चित्रण करने वालों में राजा रवि वर्मा सर्वाधिक प्रसिद्ध रहे हैं।

(ङ) कालीघाट की चित्रकला — कुछ चित्रकारों ने 'काली-घाट' और 'काली मंदिर' के भक्तों के मार्ग पर चित्र बनाए। ये चित्र पाश्चात्य शैली के हैं। टेम्परा माध्यम से चित्र बनाए गए हैं। ये सपाट, गहरे व चमकीले हैं और इनका प्रयोग सीमित है। कहीं-कहीं केवल काले रंग से चित्र बने हैं। चित्रों के विषय धार्मिक और सामाजिक हैं। अधिकांशतः बंगाली बाबुओं के जीवन-चरित्र को ~~चित्र~~ चित्रित किया गया है।

(च) आधुनिक भारतीय चित्रकला — (19वीं शताब्दी से आज तक) — अंग्रेजों द्वारा 1850 में पाश्चात्य कला शिक्षा हेतु तीन महानगरों (कोलकाता, चेन्नई,